।। ओ३म्।।

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

नहिं ते अन्तः शवसः। ऋग्वेद 1/54/1

हे प्रभो! तेरे बल का अन्त नहीं है।

O the Almighty ! Your might knows no bounds.

वर्ष 36, अंक 33 एक प्रति : 5 रुपये

सोमवार 08 जुलाई, 2013 से रविवार 14 जुलाई, 2013 तक

विक्रमी सम्वत् 2070 सृष्टि सम्वत् 1960853114

दयानन्दाब्द : 189 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 4

फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj. org/aryasandesh

उत्तराखण्ड त्रासदी एवं राहत कार्यों पर आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड की बैठक सम्पन्न

दीर्घकालिक राहत कार्यों को संचालित करने की रूपरेखा निर्धारित

आर्यजनों द्वारा किए गए पवित्र सहयोग से पीड़ितों को राहत पहुंचाने में मिलेगी मदद– हजारीलाल अग्रवाल

उत्तराखण्ड में आई भीषण त्रासदी से उपजी स्थिति में आज चलाए जा रहे आर्यसमाज के राहत कार्यों की समीक्षा तथा दीर्घ कालीन कार्यों को करने का निर्णय लेने के सम्बन्ध में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड की विशेष बैठक सभा प्रधान श्री हजारी लाल अग्रवाल जी की अध्यक्षता में आर्यसमाज धामावाला देहरादून में रविवार 7 जुलाई, 2013 को सायं 4 बजे सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन उत्तराखण्ड सभा के वरिष्ठ उप प्रधान डॉ. विनय विद्यालंकार जी ने किया।

बैठक में उत्तराखण्ड की प्रमुख आर्यसमाजों के अधिकारीगणों के अतिरिक्त आर्यसमाज की सेवा समिति के वे कार्यकर्ता भी जो नों दिनों से गुप्त काशी में चल रहे राहत कार्यों में कार्यरत

– शेष पृष्ठ 4 पर

मुख्यमन्त्री विजय बहुगुणा से मिला आर्यसमाज का प्रतिनिधि मंडल

दूर-दराज के गांवों में बिजली न होना जिन्दगी का बेहद कठिन दौर: कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर गांवों में सोलर मोबाईल चार्जर एवं लालटेन का वितरण करेगा आर्यसमाज

मुख्यमन्त्री विजय बहुगुणा से भेंट करके आर्यसमाज ने सौंपा तीन सूत्रीय कार्यक्रम

देहरादून में सम्पन्न हुई बैठक में लिए गए निर्णयों को मुख्यमन्त्री जी को अवगत कराने तथा उन कार्यों के सम्पादन में प्रशासन के सहयोग की प्रार्थना को लेकर आर्यसमाज का एक प्रतिनिधि मंडल दिनांक 8 जुलाई को प्रातःकाल 10 बजे मुख्यमन्त्री श्री विजय बहुगुणा से मिला।

– शेष पृष्ठ 4 पर

200 अनाथ बच्चों के आजीवन पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेगा आर्यसमाज

त्रासदी से विधवा हुई युवा बहनों के पुनर्विवाह में विशेष सहायक होगा आर्यसमाज

(दाएं) उत्तराखण्ड के मुख्यमन्त्री श्री विजय बहुगुणा के साथ सार्वदेशिक सभा के उपमन्त्री एवं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य, आचार्य यशपाल, स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, इं. हजारीलाल एवं अन्य आर्यजन। (बांए) आर्यसमाज के राहत कार्यक्रम की जानकरी देत श्री विनय आर्य जी

आर्य विद्या सभा गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार के महाशय धर्मपाल जी प्रधान मनोनीत

गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार तथा उससे सम्बन्धित समस्त संस्थाओं का संचालन करने वाली आर्य विद्या सभा, जिसका गठन आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा तथा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है, औपचारिक निर्वाचन गत दिनों सम्पन्न हुआ।

आर्य विद्या सभा के प्रधान पद का दायित्व स्वीकार करने पर महाशय धर्मपाल जी को बधाई देते सार्वदेशिक सभा के प्रधान आचार्य बलदेव, हरियाणा सभा के प्रधान आचार्य विजयपाल, डॉ. सुरेन्द्र आर्य, आचार्य यशपाल, कीर्ति शर्मा, सभा उप प्रधान श्री ओमप्रकाश आर्य एवं अन्य पदाधिकारी।

– शेष पृष्ठ 5 पर

प्रेरक व्यक्तित्व पं. देवव्रत धर्मेन्दु

'चरैवेति चरैवेति' – जिनके जीवन का संचरण गीत है, ऐसे स्वनामधन्य पण्डित देवव्रत धमेन्दु का जन्म वैशाखी के पवित्र दिन दिनांक १३ अप्रैल, १९०४ को पंजाब के जेहलम (अब पाकिस्तान में) जिले में स्थित जलालपुर कीकना नामक गांव में हुआ था। आपके पिता श्री नानकचंद और माता श्रीमती रुक्मिणी देवी दोनों बड़े धर्म परायण तथा सद्गहस्थी थे। शैश्वावस्था में ही धर्मेन्द्र जी की माता रुक्मिणी देवी का देहान्त हो गया। भाई–बहिन विहीन नन्हा सा देवव्रत मात्र एक वर्ष की अल्पायु में ही मातस्नेह से वंचित हो गया। पण्डित जी का बाल्यकाल अपनी नानी के गांव खुर्द जिला जेहलम में ही व्यतीत हुआ। पण्डित जी की प्रारम्भिक शिक्षा प्राइमरी स्कूल गांव चोटाला में हुई। पण्डित जी की मिडिल तक की शिक्षा खालसा मिडिल स्कूल संधोई जेहलम में हुई। आप बाल्यकाल से ही धार्मिक प्रवत्ति के थे। आपकी गुरुभक्ति तथा धर्मिक प्रवत्ति से प्रभावित होकर स्कूल के ग्रन्थी ने आपको सिख मत की ओर आकष्ट करना प्रारम्भ कर दिया। ग्रन्थी के प्रोत्साहन पर आप नियमपूर्वक गुरुद्वारे जाने लगे तथा ग्रन्थ साहिब का पाठ भी करने लगे। सिख धर्म के पांचों दैनिक कत्य (पंज ग्रंथी) भी आपने बड़े निष्ठा के साथ कण्ठस्थ कर लिए। मिडिल पास करने के पश्चात् आपको मिशन हाई स्कूल जेहलम में प्रवेश दिलाया गया जहां आपने मैट्रिक तक की शिक्षा प्राप्त की। पण्डित जी की पढ़ाई बड़े व्यवस्थित ढंग से चल रही थी कि अचानक एक वज्रपात हुआ। आपके पिता श्री नानकचंद का एक साधारण सी बीमारी के बाद निधन हो गया। मात–पित विहीन इस युवक की पढ़ाई का क्रम अब टूट चुका था। सब ओर अन्धकार नजर आने लगा। पण्डित जी अभी पिता के विछोह का दुःख भूल न पाए थे कि एक और दुःखद घटना ने आपको झकझोर दिया। एक धर्मान्ध मुसलमान ने होती मरदान में आपके नानाजी की नशंस हत्या कर दी। फलस्वरूप पति वियोग में, कुछ ही अन्तराल में नानी जी का मातुल्य साया भी उठ गया। अब पण्डित जी की स्थिति अथाह समुद्र में फंसी पतवार विहीन नौका के समान थी, परन्तु पण्डित जी को अपने प्रभु पर अटूट विश्वास था। आप तनिक भी विचलित नहीं हुए। कुछ दिनों यत्र–तत्र घूमते रहे और राष्ट्रीय आन्दोलन के कार्यकर्त्ताओं के सम्पर्क में आने लगे। उन्हीं दिनों आपके चाचा श्री मूलराज जी, जो रेलवे में उच्च पद पर थे, उन्होंने आपको खाली घूमता देख रेलवे में नियुक्त करवा दिया। परन्तु आप जैसे धार्मिक प्रवत्ति के किशोर को इस भ्रष्टाचार से व्याप्त विभाग में काम करना बड़ा कठिन था और शीघ्र ही उन्होंने रेलवे की नौकरी से त्याग पत्र दे दिया और राष्ट्रीय आन्दोलन में कूद पड़े। इसी बीच पण्डित जी प्रो० इन्द्रसेन जी के सम्पर्क में आए और उनकी प्रेरणा पर आपने अपना पूर्व निश्चित कार्यक्रम रदद

कर सत्यार्थ प्रकाश को गम्भीरता से पढ़ा। सत्यार्थ प्रकाश का आप पर जादू की तरह असर हुआ। आपने बर्मा जाने का विचार छोड़ डीएवी कालेज लाहौर से सम्बन्धित दयानन्द ब्राह्म महाविद्यालय, लाहौर में प्रवेश लिया। आप पढ़ने में सदैव तेज रहे, जिसके कारण गुरुजनों के आप कपापात्र रहे, अब से पूर्व आपने उर्दू, गुरमुखी तथा अंग्रेजी ही सीखी थी तथा हिन्दी भाषा का सामान्य ज्ञान था। परन्तु आपने बड़ी लग्न और परि श्रम से केवल एक सप्ताह में हिन्दी का अच्छा अभ्यास कर लिया। आपने दिन–रात कठिन परिश्रम कर सर्वश्री आचार्य विश्व बन्धु जी, पं० राम गोपाल जी, स्वामी नित्यानन्द जी, पं० फकीरचन्द जी, प्रो० मथुरा दास जी, पं० उदयवीर शास्त्री आदि अनेक आर्य विद्वानों के सान्निध्य में रहकर वैदिक धर्मग्रन्थों का अध्ययन किया।

वैदिक धर्म का प्रचार कार्य हो अथवा समाज सुधार का, पण्डित जी को जब जिस हालत में पुकारा जाता, वे सदैव तैयार रहते थे। आर्यसमाज कोटली (जम्मू) में दो मास प्रचार कर पण्डित जी वापस ब्राह्म विद्यालय लाहौर आ गए। कुछ समय लाहौर रहने के बादआपको आगरा भेज दिया गया जहां शुद्धि आन्दोलन का मुख्य केन्द्र था। वहांसे आप श्रद्धानन्द जी तथा महात्मा हंसराज के निर्देशानुसार फर्रुखाबाद चले गए। तीन मास तक गांव–गांव पैदल घूमकर हजारों मलकानों को शुद्ध कर उन्हें वैदिक धर्म की दीक्षा दी।

१९२५ में महर्षि दयानन्द जन्म शताब्दी मथुरा में मनाई जाने वाली थी। पण्डित जी जैसे युवा कार्यकर्त्ताओं के श्रम से ही मथुरा शताब्दी का समारोह अद्वितीय रहा। शताब्दी समारोह के पश्चात् आप अपने सहयोगियों सहित वापिस ब्राह्म विद्यालय लाहौर आ गए और कुछ समय पश्चात् आपकी शिक्षा का कार्य पूर्ण हो गया। पण्डित जी के अध्ययन तथा प्रचार शैली से सन्तुष्ट होकर विद्यालय से धर्मेन्द्र बनकर आप अपने आचार्य पं. विश्वबन्धु जी की प्रेरणा पर दिल्ली आ गए। दिल्ली प्रवास में आपका अनेक विद्वानों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से सम्पर्क हुआ। यहीं उनका शास्त्रार्थ महारथी पं. रामचन्द्र देहलवी से भी सम्पर्क हुआ। और उन्होंने पण्डितजी को अपने जीवनोपयोगी सूत्र बतलाये। इसके बाद विद्या प्रचारिणी सभा ने पण्डित जी को शिमले के अनेक गावों के स्कूलों में अध्यापक नियुक्त कर प्रचार कार्य का भार सौंपा। इस पवर्ततीय क्षेत्र में ईसाई मिश्नरियों का बड़े सुनियोजित ढंग से प्रचार हो रहा था। पण्डित जी ने गांव–गांव पैदल घूम कर वैदिक धर्म का प्रचार किया तथा वैदिक साहित्यिक मंडल बनाकर वैदिक धर्म का प्रचार किया। स्थान–स्थान पर सत्यार्थ प्रकाश तथा महर्षि दयानन्द और पण्डित गंगाप्रसाद उपाध्याय कत ट्रैक्टों का वितरण कर वैदिक धर्म की महत्ता को समझाया। पण्डित जी के प्रचार कार्य से ईसाईयों के खेमों में खलबली मच गई और हिन्दुओं को ईसाई बनाना बन्द हो गया।

दिसम्बर १९२९ के ऐतिहासिक अधिवेशन में पं० देवव्रत ने बड़े उत्साह और प्रेमभाव से शिमला से लाहौर जाकर सम्मिलित हए। पं० जवाहरलाल नेहरु अधिवेशन के अध्यक्ष थे। शिमले में वैदिक धर्म के प्रचार-प्रचार की सुदढ़ व्यवस्था देख पण्डित जी अछूतोद्धार आन्दोलन के सहयोग हेतु दिल्ली चले आए। यहां आप अछूतोद्धार आन्दोलन के उपदेशक बनकर सक्रिय रूप से सेवाकार्य करने लगे।

अभी धर्मेन्दु जी अछूतोद्धार कार्य में पूर्ण रूप से समर्पित हो कर कार्य कर रहे थे कि अजमेर से दीवान हरविलास शारदा का सन्देश मिला कि आपको ऋषि निर्वाण अर्धशताब्दी हेतु प्रचार तथा धन संग्रह करना है तो इस कार्य में जुट गए। आप ऋषि निर्वाणोत्सव अर्धशताब्दी के बाद वापस दिल्ली चले आए और फिर अछूतोद्धार कार्य में जुट गए। दिल्ली में स्थाई रूप से बस जाने के बाद मित्रों के सतत् आग्रह से अपने गहस्थ आश्रम को अंगीकार करना स्वीकार किया और १९३३ में आर्य कन्या पाठशाला चावड़ी बाजार दिल्ली की अध्यापिका श्रीमती जावित्री देवी के साथ पूर्ण वैदिक रीति से विवाह किया। श्रीमती जावित्री देवी बड़ी धर्म परायण, सेवाव्रती, सरल एवं मधुर स्वभाव वाली महिला थीं। वे पण्डित जी के सामाजिक दायित्वों की पूर्ति कें सदैव सहायक रहीं। गहस्थाश्रम में प्रवेश के बाद उन्हें डीएवी स्कूल बेयर्ड रोड में धर्माध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया। पण्डित जी के अध्यापन का प्रकार अपने आप में निराला रहा।

– शेष पृष्ठ 3 पर

प्रेरक व्यक्तित्व पं. देवव्रत धर्मेन्दु

पृष्ठ 3 का शेष

बच्चों में चरित्र निर्माण, परोपकार, समाज सेवा और सुसंस्कारों के भाव उत्पन्न करने के उद्देश्य से आप स्कूल में ही नहीं, अपितु स्कूल से अतिरिक्त समय में बच्चों को भाषण प्रतियोगिताओं तथा धार्मिक परीक्षाओं के लिए तैयार करते थे। पण्डित जी अध्यापक तो थे ही; परन्तु आर्य मिशनरी अधिक। पण्डित जी के हजारों शिष्य जहां आज उच्चस्थ पदों पर कार्य कर रहे हैं, वहां सैंकड़ो शिष्य आर्य संस्थाओं के अधिकारी हैं जब हैदराबाद में नवाब उस्मान अली का शासन था, जिसको मौलवी मुल्लाओं ने औरंगजेब का प्रतीक बनाना चाहा था, उसके शासन में हिन्दुओं पर घोर अत्याचार होने लगे। आर्यसमाज ने १९३९ में इसके विरुद्ध हैदराबाद में धर्मयुद्ध का बिगुल बजा दिया।

महात्मा नारायण स्वामी द्वारा आपको दिल्ली में सत्याग्रह समिति का मन्त्री नियुक्त किया गया। सत्याग्रह समिति के मन्त्री के नाते आपके सबल कन्धों पर दिल्ली से सत्याग्रहियों के ठहरने तथा उन्हें हैदराबाद भेजने की व्यवस्था के लिए आर्यसमाज दीवानहाल में दिनरात कठोर परिश्रम किया। जहां आपकी व्यवस्था लगन और उत्साह ने आने जाने वाले सत्याग्रहियों के मन पर अमिट छाप छोड़ी, वहां आर्य नेताओं ने आपके कार्य संचालन और संगठन शक्ति की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इस धर्मयुद्ध में लगभग १८ हजार आर्यों ने सत्याग्रहियों के रूप में हैदराबाद की जेलों को भर दिया, जिसमें से २४ आर्यवीर मुगलशाही अत्याचारों के कारण बलिदानी भी हुए।

१९४४ में सार्वदेशिक सभा का पंचम आर्य महासम्मेलन दिल्ली के गांधी मैदान में डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसके पंडित जी प्रचार मन्त्री थी।

१९६१ में सार्वदशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की स्वर्णजयन्ती दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित हुई, जिसमें आपने प्रचार मन्त्री का कार्य कुशलता से निभाया। पं० धर्मेन्दु जी स्थाई रूप से जब दिल्ली आए तो डीएवी के अतिरिक्त आर्यसमाजों तथा आर्यकुमार सभाओं के माध्यम से सेवा कार्य करते रहे। आप आर्य कुमार सभा बाजार सीताराम के प्रधान रहे। आर्यकुमारों का चरित्र निर्माण करना आपके जीवन का मुख्य ध्येय रहा। आप १९४० से १९६६ तक भारतवर्षीय आर्य कुमार परिषद् द्वारा धार्मिक परीक्षाओं के मन्त्री तथा दिल्ली प्रान्तीय आर्य कुमार परिषद् के अध्यक्ष रहे।

पण्डित जी सदैव हिन्दी भाषा के समर्थक तथा प्रचारक रहे। शिक्षक के रूप में आपने सभी विषय हिन्दी में पढ़ाए।

प्रचारक के रूप में आपने सदैव हिन्दी में ही प्रवचन और भाषण किए। सत्यार्थ प्रकाश परीक्षाओं के माध्यम से भी आपने लाखों स्त्री पुरुषों तथा बालक बालिकाओं को हिन्दी पढ़ाने–लिखाने का प्रयत्न किया। शिमले में रहते हुए आपने वहां के कुलियों तक में हिन्दी का प्रचार किया।

आप वर्षों तक 'हिन्दी सभा' दरियागंज के मन्त्री रहे। आर्यसमाज द्वारा संचालित हिन्दी रक्षा आन्दोलन में भी आपने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

पण्डित जी की लेखनी भी समय–समय पर चलती रहती। आप द्वारा सम्पादित दैनिक यज्ञ प्रकाश ने आर्यजगत् में धूम मचा दी। लाखों की संख्या में छप चुकी, इस पुस्तिका की देश–देशान्तर में बड़ी मांग है।

आर्यजगत् में ही नहीं वरण अन्य धार्मिक संस्थाओं में भी उपदेशक तो हजारों मिल जाएंगे; परन्तु देवव्रत धमेन्दु जैसा आर्योपदेशक मिलना कठिन है। पण्डित जी स्वअर्जित धन राशि से अनाथों, असहायों और आर्यसंस्थाओं की सहायता करते थे। नई दिल्ली में आर्य कुमार भवन के निर्माणार्थ आपने आर्थिक सहायता दी। आर्य युवक परिषद् के स्थाई कोश में भी विपुल राशि प्रदान कर चुके थे।

अमर शहीद स्वामी श्रद्धानन्द द्वारा सन् १९१८ में स्थापित आर्य अनाथालय पटोदी हाउस दरियागंज दिल्ली में १९६४ से १९८५ तक आपने अपनी दिनचर्या का अधिकांश भाग दिया। आपने इस संस्था के स्थाई कोश में हजारों रूपये दान दिएं। आर्य नेता स्व० देशराज चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती चन्द्रावती चौधरी की स्कति में बने स्मारक ट्रस्ट के भी पण्डित जी ट्रस्टी थे। ट्रस्ट के धन से सूरज पर्वत, नई दिल्ली में आठ एकड़ भूमि पर एक भव्य बालिका विद्यालय छात्रावास तथा यज्ञ मन्दिर का निर्माण किया गया है। पं० धर्मेन्दु १९ वर्ष तक सार्वदेशिक प्रकाशन लिमि० कम्पनी दिल्ली के सक्रिय डायरेक्टर रहे और सार्वदेशिक प्रैस के भी अवैतनिक प्रबन्धक रहे।

पं. देवव्रत धमेन्दु दिल्ली में आर्यजगत् के प्राण समझे जाते थे। स्वयं एक चलती–फिरती संस्था थे। शालीनता, विनम्रता और सहृदयता की आप साक्षात् मूर्ति थे। परन्तु अन्याय को जरा भी सहन नहीं करते थे। कभी कभी स्वाभिमानी स्वभाव के कारण हानि भी उठानी पड़ती थी। परन्तु इससे आप रुकते नहीं थे। बल्कि 'चरैवेति–चरैवेति' का अनुसरण कर आगे बढ़ते रहते थे।

समस्त विद्यालयों एवं विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परिणामों हेतु हार्दिक शुभकामनाएं

आर्य विद्या परिषद् दिल्ली द्वारा

समस्त विद्यालयों/आर्य शिक्षण संस्थाओं हेतु प्रकाशित

नैतिक शिक्षा की पुस्तकें

नर्सरी से 12वीं कक्षा तक। पूरे सैट का मूल्य 400/-

आकर्षक छूट 25%

बेहतरीन कागज पर आकर्षक छपाई में तैयार कराई गई नैतिक शिक्षा की पुस्तकें छात्रों के नैतिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक ज्ञान तथा राष्ट्रीय भावना जागृत करने वाली हैं। आर्य विद्या परिषद् द्वारा प्रकाशित कराई गई नैतिक शिक्षा की ये पुस्तकें दिल्ली के समस्त विद्यालयों/शिक्षण संस्थाओं के साथ-साथ दिल्ली से बाहर अन्य प्रदेशों के विद्यालयों के पाठ्यक्रम में भी नर्सरी से कक्षा 12वीं तक लागू हैं। अपने विद्यालय/शिक्षण संस्था के लिए आवश्यकतानुसार मंगवाने के लिए सभा कार्यालय से सम्पर्क करें।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली- 110001

☎ : 23360150; Email : aryasabha@yahoo.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का

वैदिक प्रकाशन विभाग

प्रकाशित वैदिक साहित्य पर भारी छूट

अनु.	साहित्य	मूल्य
1.	सत्यार्थ प्रकाश 18 भाषाओं में (सीडी)	30/–
2.	महर्षि दयानन्द के सम्पूर्ण ग्रन्थ (सीडी)	30/–
3.	शेख चिल्ली और लाल बुजक्कड (सीडी)	30/–
4.	पारिवारिक सुखशान्ति एवं समृद्धि के लिये यज्ञ करें (सीडी)	30/–
5.	गुरुदेव दयानन्द (सीडी)	30/–
6.	सत्य की राह (सीडी)	30/–
7.	अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की 5 सी.डी. का सैट	100 /–
8.	वैदिक विनय	150/–
9.	गुरुदत्त विद्यार्थी – हिन्दी / अंग्रेजी	80/–
10.	दयानन्द लघुग्रंथ सग्रंह	70/–
11.	उपनिषदों की कहानियाँ	60/–
12.	शगुन लिफाफा सिक्केवाला	400 /– सैंकड़ा
13.	शगुन लिफाफा बिना सिक्केवाला	300 /– सैंकड़ा
13.	नैतिक शिक्षा एवं व्यवहार कुशलता	200/–
14.	नेम स्लिप (1×21)	10/–
15.	समस्त कॉमिक्स	25 से 35/–
16.	अनुपम दिनचर्या एवं गीताञ्जलि	50/–
17.	वेद भाष्य (घूड़मल प्रकाशन)	5000/–
19.	सत्यार्थ प्रकाश (अजिल्द)	40/–
	सत्यार्थ प्रकाश (सजिल्द)	80/–
	सत्यार्थ प्रकाश (स्थूलाक्षर)	150/–

सभा द्वारा प्रकाशित साहित्य पर 20 % छूट।

अन्य प्रकाशनों के साहित्य पर 10% की छूट।

प्रथम पृष्ठ का शेष आर्यसमाज के प्रतिनिधि मंडल ने .....

प्रतिनिधि मंडल की ओर से श्री विनय आर्य ने उत्तराखण्ड में आर्यसमाज द्वारा किए जा रहे तात्कालिक राहत कार्यों की जानकारी देते हुए आर्यसमाज के दीर्घकालीन कार्यों को करने के संकल्प से अवगत कराया। जिनमें मुख्य रूप से निम्न बिन्दू प्रस्तुत किए गए–

1. आर्यसमाज आपदा ग्रस्त ऐसे परिवारों के बच्चों जिनके परिवार का एक भी मुख्य व्यक्ति हताहत हुआ हो उन परिवारों के 200 बालक–बालिकाओं को आर्यसमाज के देहरादून स्थित श्रद्धानन्द बाल वनिता आश्रम में एवं इसी प्रकार के अन्य केन्द्रों में अध्ययन एवं जीवन यापन से सम्बन्धित समस्त उत्तरदायित्व लेने को संकल्पित है।

इस सम्बन्ध में मुख्यमन्त्री जी से निवेदन किया गया कि वे आपदाग्रस्त जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश करें कि ऐसे परिवारों की सूची बनाकर आर्य प्रतिनिधि सभा को प्रदान करें, जिससे हमारे कार्यकर्ता वहां जाकर बालक/ बालिकाओं को आश्रमों में ले जाने की व्यवस्था करें।

2. आपदा ग्रस्त ऐसे परिवारों की वे बहनें जो कम उम्र में विधवा हुई हों उनके पुनर्विवाह (यदि वे स्वयं सहमत हों) का समस्त व्यय वहन करने को आर्यसमाज संकल्पित है (प्रत्येक विवाह पर एक लाख रूपये का खर्च उस परिवार को दिया जाएगा।)

इस हेतु माननीय मुख्य मन्त्री जी ने निवेदन किया गया कि वे सरकार की ओर से जनहित में एक विज्ञापन जारी करें, जिसमें पुनर्विवाह की इच्छुक महिलाओं के आवेदन आमन्त्रित किए जाएं। प्राप्त आवेदन के आधार पर आर्यसमाज की ओर से उनके पुनर्विवाह की व्यवस्था की जाएगी।

3. ऐसे बेघर परिवार जिनके घर इस आपदा में पूर्णतः नष्ट हो गए हैं उनमें से 100 से 200 परिवारों को सामान्य घर बनाने के साथ ही आवश्यक सामग्री प्रदान करने को आर्यसमाज संकल्पित है।

मुख्यमन्त्री से अनुरोध किया गया कि ऐसे गांवों को चिन्हित करके आर्यसमाज को सूचित करें जिसमें गांव वासियों के मकान पूर्णतः ध्वस्त हो गए हैं उनके लिए भूमि प्रदान कर हमें निर्देश करें जिससे उनके लिए घरों का निर्माण कार्य आरम्भ किया जा सके।

मुख्यमन्त्री श्री विजय बहुगुणा ने कहा कि आर्यसमाज एक विश्वव्यापी संस्था है, इसके कार्यों एवं भावनाओं से सरकार पूर्णतः परिचित है। किन्तु इस कार्य में कुछ समय लगना अपेक्षित है। हम प्रयास करेंगे कि यह कार्य शीघ्र सम्पन्न हो, जिससे आर्यसमाज के सेवा कार्यों का लाभ उत्तराखण्ड को भी प्राप्त हो।

प्रथम पृष्ठ का शेष दीर्घकालिक राहत कार्यों .....

थे। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से सभा के उपमन्त्री श्री विनय आर्य जी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में संचालित किए जाने वाले समस्त राहत कार्य उत्तराखण्ड सभा के विशेष समन्वय से संचालित होंगे।

सरकारी अधिकारियों ने किया देहरादून श्रद्धानन्द बाल वनिता आश्रम का नीरीक्षण : अधिकारी पूर्णतः सन्तुष्ट

गुप्तकाशी से सीधे देहरादून पहुंचे सेवा समिति के कार्यकर्ता सर्वश्री विजेन्द्र आर्य, रणधीर आर्य , संजीव आर्य, एवं श्री महेन्द्र गर्ग ने अपने अनुभव तथा क्षेत्र की आवश्यकता के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने बताया कि स्थितियां उन क्षेत्रों मे बहुत ज्यादा खराब हैं जहां कार्यकर्ताओं का पहुंच पाना असम्भव है। वहां राहत पहुंचाने के लिए हमें रात–दिन प्रयत्न करना चाहिए। उसके लिए हमें कुछ समय पश्चात् वहां दीर्घ कालिक कार्य करने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए। उन सभी का अनुभव यह था कि गांव में लम्बे समय तक बिजली की व्यवस्था हो पाना असम्भव है इसलिए राहत की दृष्टि से और सामान तो उन्हें थोड़ा–थोड़ा उपलब्ध हो रहा है लेकिन उन्हें ऐसा साधन उपलब्ध कराना आवश्यक है जिससे वे अपना मोबाइल चार्ज कर सकें एवं रात्रि में रोशनी का कुछ प्रबन्ध हो सके। अभी वे मोमबत्ती आदि जलाकर जैसे–तैसे रात गुजार रहे हैं। आर्यसमाज धामावाला के प्रधान श्री हर्षवर्धन आर्य, मन्त्री श्री ज्ञानचन्द आर्य, जिला सभा देहरादून के प्रधान श्री दयानन्द तिवारी, सभा के कोषाध्यक्ष श्री पृथ्वीराज

उत्तरखण्ड सभा के विशेष समन्वय से संचालित होंगे आर्यसमाज के राहत कार्य

आर्य, श्रद्धानन्द बाल वनिता आश्रम के प्रबन्धक श्री ओ.पी. नांगिया जी, स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, डॉ. धनञ्जय आचार्य एवं पीड़ित क्षेत्र गौरीकुण्ड से पधारे कुछ आर्य बन्धुओं ने अपने विचार रखे।

श्री ओ. पी नांगिया जी ने बताया कि सरकारी अधिकारियों ने श्रद्धानन्द बाल वनिता आश्रम का निरीक्षण किया है और वे पूर्णतः सन्तुष्ट हैं।

सभी का कहना यह था कि हमें स्थाई और दीर्घकालिक कार्यों पर जोर देना चाहिए। बैठक में श्री विनय आर्य जी ने पूज्य आचार्य बलदेव जी का सन्देश भी दिया कि हमें बच्चों एवं महिलाओं के पुनर्वास एवं उनके पालन के सम्बन्ध में विशेष ध्यान देना चाहिए।

बैठक कें सर्वसम्मति से तीन सूत्रीय प्रस्ताव पारित किया गया जिसे आर्यसमाज की ओर से मुख्यमन्त्री श्री विजय बहुगुणा को सौंपा गया।

"शत हस्त समाहर सहस्त्र हस्त सं किर"
"सौ हाथों से कमाओ हजार हाथों से दान करो"

पीड़ितों की सेवा ही हम सबका राष्ट्रीय एवं धार्मिक कर्त्तव्य

आर्यजन दिल खोलकर दान दें

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर उत्तराखण्ड बाढ़ पीड़ितों सहायतार्थ दान की अपील पर प्राप्त दान की सूची

गतांक से आगे –

68	सर्वश्री आर्यसमाज राधेपुरी	5000
69	नरेन्द्र नारंग	5000
70	आर्यसमाज रोहिणी सै.3,4,5	2100
71	आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक	5100
72	श्रीमती विजय लक्ष्मी पाहवा	5000
	आर्यसमाज रोहिणी सैक्टर–7 द्वारा एकत्र	
73	अश्विनी आर्य	5100
74	ओ.पी. अग्निहोत्री	2100
75	सुभाष त्रेहन	4500
76	आर्य तपस्वी	1100
77	श्रीमती सन्तोष चौधरी	1100
78	संजीव गर्ग	1100
79	देवराज आर्य	1100
80	श्रीमती नीरु	500
81	राजेन्द्र तनेजा	500
82	नरेन्द गर्ग	500
83	वेद प्रकाश सिंघल	500
84	मदनलाल ढींगरा	500
85	आर्ष ऋषि	500
86	श्रीमती आभा बगई	500
87	अरुण सूरी	500
88	राजेश तनेजा	500
89	श्रीमती इन्दूबाला	500
90	श्रीमती अमृत सचदेवा	500
91	पी.एन. नागर	500
92	राजीव आर्य	500
93	प्रवीण गुप्ता	500
94	श्रीमती शान्तिदेवी	250
95	श्रीमती आशा वलेचा	250
96	धर्मेन्द्र कपूर	200
97	विश्वबन्धु शास्त्री	150
98	दयाकृष्ण	100
99	**आर्यसमाज जूनागढ़**	**11000**
100	कान्तीभाईकिरानी	3000
101	एन.एम. द्विवेदी	1000
102	सदगुणाबेन भाटिया	5000
103	शादीलाल गेरा	11000
104	आर्यसमाज लाजपत नगर	4000
105	श्रीमती अनीता चौहान	1100
106	श्रीमती सुन्दर शान्ता चड्ढा	1100
107	आर्यसमाज डोरी वालान	21000
108	विजय कुमार मल्होत्रा	11000
109	अपूर्व दुर्गा	10000
110	निःशुल्क योग साधना केन्द्र	12000
111	आर्यसमाज आसनसोल	100000
112	सुषमा गुप्ता	2000
113	श्रीमद्दयानन्द सत्यार्थ प्रकाश न्यास, उदयपुर	10000
114	आर्यसमाज अमर कालोनी	25000

– क्रमशः

इस मद में दान देने वाले दानी महानुभावों के नाम इसी प्रकार आर्य सन्देश के आगामी अंकों में भी प्रकाशित किये जाएंगे।

– विनय आर्य, महामन्त्री

उत्तराखण्ड बाढ़पीड़ितों की सहायतार्थ तन–मन–धन से सहयोग करे आर्यजन

दानी सज्जन अपनी दान राशि निम्न बैंक खातों में जमा कराएं

'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' – खाता सं. 09481000000276
पंजाब एंड सिंध बैंक, IFSC - PSIB 0020948 MICR - 110023121

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' – खाता सं. 1098101000777
केनरा बैंक, IFSC - CNRB 0001098 MICR - 110015025

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' खाता सं. 910010008984897
एक्सिज बैंक, IFSC - UTIB0000223 MICR - 110211025

विशेष : जो सज्जन/संस्थाएं अपनी दान राशि पर आयकर छूट चाहते हैं वे अपनी राशि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम सभा के उपरोक्त बैंक खाते में जमा कराएं। कृपया अपनी दान राशि जमा करने के बाद तत्काल मो. 9540040339 पर श्री विजय आर्य को सूचित करें तथा aryasabha@yahoo.com पर डिपोजिट स्लिप ईमेल करें ताकि उन्हें रसीद भेजी जा सके *– विनय आर्य, महामन्त्री*

के लिए निम्न स्थानों
हत सामग्री भेजें
समाज धामावाला देहरादून
डा. विनय विद्यालंकार
(व.उपप्रधान)

प्रथम पृष्ठ का शेष

आर्य विद्या सभा गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार का निर्वाचन .....

आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा तथा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अधिकारियों सर्वश्री आचार्य बलदेव जी, आचार्य विजय पाल, डॉ. सुरेन्द्र कुमार आर्य, विनय आर्य, सुरेन्द्र बुद्धिराजा, राजीव आर्य, सतीश चड्ढा, ओम प्रकाश आर्य, अशोक मेहतानी, कीर्ति शर्मा, जिले सिंह, कन्हैयालाल आर्य, आचार्य यशपाल, आदि अनेक महानुभावों ने आर्य जगत के सुप्रसिद्ध आर्यनेता, उद्योगपति, दानवीर के रूप में प्रख्यात महाशय धर्मपाल जी से आर्य विद्या सभा के प्रधान पद को स्वीकार करने का निवेदन किया, जिसे उन्होंने बड़ी सादगी के साथ स्वीकार किया।

आर्य विद्या सभा, गुरुकुल कांगड़ी के प्रधान का उत्तरदायित्व ग्रहण करने पर महाशय जी को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करते सार्वदेशिक सभा के प्रधान आचार्य बलदेव जी, हरियाणा सभा के प्रधान आचार्य विजयपाल जी एवं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी

इस अवसर पर महाशय जी ने कहा मैं पूरी शक्ति से आर्य विद्या सभा के कार्यों को पूरा करने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि इसमें आप सब का सहयोग अपेक्षित है। हम सब मिलकर ही स्वामी श्रद्धानन्द जी के स्वप्न को साकार कर सकते हैं।

सार्वदेशिक सभा के मन्त्री श्री प्रकाश आर्य ने उन्हें बधाई एवं शुभकामानाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में आर्य विद्या सभा के निर्देशन में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय एवं उसकी सभी संस्थाएं उन्नति के पथ पर अग्रसर होंगी।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2012 दिल्ली के अवसर पर घोषित

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2013

डरबन (दक्षिण अफ्रीका)

28, 29, 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर, 2013

सम्मेलन की विस्तृत सूचना एवं यात्रा विवरण शीघ्र ही आगामी अंकों में प्रकाशित की जाएगी।

– प्रकाश आर्य, मन्त्री, सार्वदेशिक सभा

दयानन्द मठ, दीनानगर की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर

हीरक जयन्ती समारोह

18-20 अक्तूबर, 2013

आर्यजन अधिकाधिक संख्या में पधाकर समारोह को सफल बनाएं

निवेदक : स्वामी सदानन्द सरस्वती, अध्यक्ष मो. 9478256272

आर्यसमाज के गीतों को बनाएं अपनी मोबाइल ट्यून (CallerTunes)

आर्यसमाज के गीतों को अपनी मोबाइल ट्यून बनाने के लिए आज ही डाउनलॉड करें और अन्य महानुभावों को भी प्रेरित करें।

Sr.	Song Title	Voda	Idea	Airtel	Tata CDMA	Tata Doco	BSNL (North)	MTS
1	आई फौज दयानन्द वाली	10444132	720080	543211007382	376609	254930	173340	77772509
2	ये प्रभु हम तुम से	10444133	720084	543211007383	376614	254931	173341	77772510
3	होता है सारे देश का	10444134	720081	543211007384	376615	254932	173342	77772511
4	हम को सब दुनिया जाने	10444135	720082	543211007385	376616	254933	173343	
5	जो होली सो होली	10444136	720090	543211007386	376622	254934	173344	77772512
6	पूजनीय प्रभु हमारे	10444137	720105	543211007387	376629	255260	173345	77772513
7	सुनो-सुनो ये दुनिया वालो	10444138	720115	543211007388	376639	254935	173346	77772514
8	यूँ तो कितने ही महापुरुष	10444139	720111	543211007389	376644	254936	173347	77772515
9	दिल्ली चलो (सम्मेलन गीत)			543211462723			1721306	

Voda- SMS "CT code"send to 56789 Idea- SMS "DT Code"send to 55456 Airtel- Dial Code and Say " YES" Tata cdma- SMS "Wtcode" send to 12800 Tata docomo- SMS "CT code" to 543211 BSNL- SMS "BT code" send to 56700 MTS- SMS "CT code" send to55777

उदाहरण के तौर पर आपके पास प्कमं का कनेक्शन है और आप "Aai Fauj Dayaanand Wali" गीत की धुन अपने Idea मोबाईल पर कॉलर ट्यून बनाना चाहते हैं, तो आप गीत के DT 720080 को टाईप कर इस नंबर 55456 पर एसएमएस करें।

दैनिक याज्ञिकों/आर्यसमाजों के लिए खुशखबरी

MDH हवन सामग्री

मात्र 70/– किलो (5,10, 20 किलो की पैकिंग)

प्राप्ति स्थान

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

15 हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001, दूरभाष - 23360150

ब्रेल लिपि में महर्षि दयानन्द जीवनी

मात्र 1000/-रु.

आर्यजन अपनी आर्य समाज की ओर से अंध विद्यालयों को भेंट दें।

डाक व्यय निःशुल्क

आर्यसमाज जनकपुरी सी-3 में भी

एम.डी.एच. हवन सामग्री उपलब्ध

एम.डी.एच.हवन सामग्री आर्यसमाज पंखा रोड, जनकपुरी सी–3 में भी उपलब्ध है। पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र से जो सज्जन/आर्यसमाज लेना चाहें वे वहां से 70/– किलो की दर से प्राप्त कर सकते हैं। पैकिंग 5, 10,20 किलो।

– मन्त्री

हिमाचल प्रदेश में नई आर्यसमाज की स्थापना

आर्य वीर दल हिमाचल प्रदेश के प्रान्तीय संचालक श्री रामफल सिंह आर्य जी के प्रयास से हिमाचल प्रदेश के जिला बिलासपुर के गांव छत (बरठी) में 30 जून, 2013 को आर्यसमाज की स्थापना की गई। गांव के होनहार युवक श्री राजकुमार जी काइसतें अत्यधिक सहयोग रहा। तथा प्रथम प्रधान के रूप में श्री शिवरत्न सिंह एवं मन्त्री के रूप में श्री बिशन सिंह को चुना गया। सभी ने मिलकर आर्यसमाज के कार्य को गति देने की शपथ ली। इस कार्य के लिए श्री सतपाल आर्य आर्यसमाज हमीरपुर, कै. जोगेन्द्र सिंह, राजेश शर्मा, यशवीर सिंह, रेखा कुमारी, शशि कुमारी, आदि का विशेष सहयोग रहा। – ***सत्य प्रकाश शर्मा, मन्त्री आर्यसमाज सुन्दर नगर***

आध्यात्मिक शिविर सम्पन्न

आर्य प्रतिनिधि सभा जम्मू–कश्मीर के तत्वावधा में श्री अरुण चौधरी के संयोजन में जम्मू के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पत्नीटॉप में 20 से 23 जून तक सरल आध्यात्मिक शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में वैदिक प्रवक्ता स्वामी विवकानन्द जी ने यज्ञ, प्रवचन, शंकासमाधान व आत्म निरीक्षण द्वारा बड़ी सरलभाषा में बताया कि जीवन लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति के लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए? श्री रविकान्त जी ने भी प्रत्येक दिन प्रातः व्यायाम कक्षा द्वारा आए हुए शिविरार्थियों को स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम की आवश्यकता पर बल दिया। शिविर में जम्मू के अतिरिक्त दिल्ली व पंजाब के भी शिविरार्थियों ने भाग लिया। – ***भारतभूषण आर्य, प्रधान***

आर्यसमाज चण्डौस (अलीगढ़) का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

आर्यसमाज चण्डौस ग्राम, अलीगढ़ का वार्षिकोत्सव 11 से 13 जून तक हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नौ सत्रों राष्ट्र रक्षा, यज्ञ एवं संस्कृति, गोरक्षा, महिला, वेद आदि

अनेक विषयों पर सम्मेलन हुआ। जिनमें मुख्य रूप से आचार्य श्री आनन्द पुरुषार्थी, पं. योगेश दत्त आर्य, सुश्री अंजली आर्या ने अपने विचार रखे। यथा समय श्रोताओ की शंकाओं का भी समाधान किया गया। समापन समारोह में 66 दम्पतियों से बहुकुण्डिय यज्ञ में आहुतियां दिलवाई तथा उन्हें आसमाज के रविवारीय सत्संग में आने के लिए प्ररित किया। समारोह में खैर, छर्रा, सुमेरपुर, बांकनेर, गोंडा, खुर्जा, आगरा, अलीगढ़सहित आस–पास के समस्त ग्रामीण अंचलों से भारी संख्या में आर्यजनों पधारे। – ***सुशील आर्य, मन्त्री***

आवश्यकता है

महर्षि दयानन्द जन्मभूमि टंकारा में चल रहे महर्षि दयानन्द सरस्वती अन्तर्राष्ट्रीय उपदेशक महाविद्यालय में ऐसे उपाचार्य की आवश्यकता है तो काशिका तथा महाभाष्य एवं निरुक्तादि पढ़ाने में सक्षम हो। योग्यतानुसार वेतन एवं आवास–भाजनादि की सुविधा विद्यालय में दी जाएगी। नीचे लिखे पते पर प्रमाणपत्र, अनुभव एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ आवेदन भेजें–

रामदेव शास्त्री, आचार्य, महर्षि दयानन्द सरस्वती अन्तर्राष्ट्रीय उपदेशक महाविद्यालय, टंकारा, जिला राजकोट (गुजरात) – 363659
मो. 09913251448, 02822–287756

शोक समाचार — श्री लक्ष्मणदास नथानी का निधन

आर्यसमाज चेन्नई के वरिष्ठ सदस्य, स्वतन्त्रता सैनानी श्री लक्ष्मणदास नथानी जी का 89 वर्ष की आयु में 30 जून, 2013 को सायं 5 बजे निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति से किया गया। इस अवसर पर आर्यसमाज चेन्नई के प्रधान श्री जयदेव आर्य, महामन्त्री श्री एस.डी. नांगिया एवं अनेक सदस्य उपस्थित थे। वे अपने पीछे दो पत्रों का भरा–पूरा परिवार छोड़ गए है।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करें। -सम्पादक

प्रवेश सूचना

महर्षि दयानन्द सरस्वती अन्तर्राष्ट्रीय उपदेशक महाविद्यालय
टंकारा, जिला- राजकोट (गुजरात) - 363659

प्रथम पाठ्यक्रमः महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक से मान्यता प्राप्त। विद्यालय में प्राच्य व्याकरण पाठ्यक्रम से अध्ययन कराया जाता है। प्रवेश के समय कक्षा 7 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यहां पूर्व मध्यमा, उत्तर मध्यमा, शास्त्री एवं आचार्य पर्यन्त तक अभ्यासक्रम है। जिसमें प्राच्य व्याकरण के उपरान्त वेद, दर्शन, उपनिषद् अैर ऋषि दयानन्द के ग्रन्थों का अध्ययन कराया जाता है।

द्वितीय पाठ्यक्रमः में उपदेशक कक्षाएं चलती हैं जिसमें व्याकरण, वेद, दर्शन, उपनिषदादि के उपरान्त ऋषि दयानन्द के समस्त ग्रन्थ पढ़ाए जाते हैं। भजन, प्रवचन तथा कर्मकाण्ड विशेष रूप से सिखाकर आर्यसमाज के पुरोहित के रूप में प्रशिक्षण दिया जाता है।

दोनों पाठ्यक्रमों में इच्छुक प्रवेशार्थी अपने निकटतम आर्यसमाज से परिचय–पत्र प्राप्त कर लावें तो उचित होगा। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें–

– ***आचार्य, मो. 09913251448, दूरभाष : 02822–287756***

निर्वाचन समाचार

आर्यसमाज नजफगढ़
नई दिल्ली-110043
प्रधान : श्री सत्यवीर आर्य
मन्त्री : श्री रवि छिकारा
कोषाध्यक्ष : श्री अविनाश आर्य

आर्यसमाज पंखा रोड, सी-3
जनकपुरी, नई दिल्ली-58
प्रधान : श्री रमेशचन्द्र आर्य
मन्त्री : श्री अजय तनेजा
कोषाध्यक्ष : श्री विजय गुलाटी

आर्यसमाज विवेक विहार
दिल्ली-110095
प्रधान : श्री गजेन्द्र सिंह सक्सेना
मन्त्री : श्री पीयूष शर्मा
कोषाध्यक्ष : श्री यशपाल

आर्यसमाज मयूर विहार
फेज-1, दिल्ली-91
प्रधान : श्री महेन्द्र कुमार चाठली
मन्त्री : श्री ओम प्रकाश शास्त्री
कोषाध्यक्ष : श्री तुलसीदास नन्दवानी

आर्यसमाज शिवाजी नगर
गुड़गांव -122001 (हरियाणा)
संरक्षक : श्री कन्हैयालाल आर्य
प्रधान : श्री प्रभु दयाल चुटानी
मन्त्री : श्री वीरेन्द्र सेतिया
कोषाध्यक्ष : श्री महेन्द्र प्रताप आर्य

आर्यसमाज मल्हारगंज
इन्दौर (म.प्र.)
प्रधान : डॉ. दक्षदेव गौड़
मन्त्री : डॉ. विनोद अहलूवालिया
कोषाध्यक्ष : श्रीमती रेणू गुप्ता

आर्यसमाज फिरोजपुर झिरका का
वेद प्रचार सप्ताह
22 जुलाई से 28 जुलाई, 2013
विद्वान– श्री भीषम जी आर्य
भजनोपदेश– श्रीमती अंजली आर्या
आर्यजन अधिकाधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ अर्जित करें
निवेदक – श्री नरदेव आर्य, प्रधान

निर्वाचन समाचार

आर्यसमाज कृष्णपोल बाजार
जयपुर (राजस्थान)
प्रधान : श्री ओ.पी. वर्मा
मन्त्री : श्री कमलेश शर्मा
कोषाध्यक्ष : श्री दिनेश शर्मा

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियां लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा में स्थापित "आई.वी.आर.एस." सिस्टम से आर्य समाजें जुड़कर लाभ उठाएं

आर्यजन अपने आर्य समाज का पूर्ण रिकार्ड फार्म में भरकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के कार्यालय पर भेजें।

आर्य संस्थाओं की जानकारियों के लिये डायल करें 011-23488888

आज सूचना का युग है, जो सूचना प्रसारण की नई तकनीकी ने सारे विश्व की दूरियाँ समाप्त कर दी हैं। आर्य समाज का संगठन आज भारत के 24 राज्यों एवं विश्व के लगभग 27 देशों में फैला है। अनेक विद्यालय आर्यसमाज मन्दिर, आश्रम,गुरुकुल, अनाथालय, अस्पताल, अनेक विद्वानों, संन्यासी, भजनोपदेशक आदि सैकड़ों की संख्या में प्रचार कार्य में संलग्न हैं, किन्तु इन 10000 से अधिक व्यक्तियों/ संस्थाओं का पता व सम्पर्क किसी भी व्यक्ति द्वारा कर पाना लगभग असम्भव है। किसी भी आर्य समाज का सम्पर्क सूत्र हमें ढूढना हो तो हमें अत्यन्त परिश्रम करना पड़ता है। किसी विद्वान व संन्यासी महानुभाव को हम आमंत्रित करना चाहते हैं तो उनका सम्पर्क सूत्र मिल पाना कठिन हो जाता है, अतः ऐसी और ऐसी अनेक जानकारियाँ, जिसकी सब आर्यजनों को एवं अन्य महानुभावों को बहुत आवश्यकता रहती है को फोन पर ही उपलब्ध करवाये जाने के लिए इस योजना का शुभारम्भ किया गया है। **जिसमें एक ही नम्बर पूरे भारत व विश्व के लिए होगा जहाँ आप अपने मोबाईल अथवा लैण्डलाईन से 011-23488888 डायल करके आप अपने आपेक्षित जानकारी ले सकेंगे।** आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी संस्था की पूर्ण जानकारी जल्द से जल्द इस फार्म की फोटो कॉपी कराकर पूर्ण जानकारी भरकर भेजें। यह महत्वपूर्ण योजना आर्यसमाज के आपसी सम्पर्क के लिए अत्यन्त कारगर सिद्ध होगी। सिस्टम चालु हैं किन्तु जानकारिया अभी बहुत कम हैं। अतः अपना रिकार्ड जल्द से जल्द भेंजे। जिससे पूर्ण जानकारिया उपलब्ध कराई जा सके।

-: पृष्ठ 1 :-

सेवा में,
संयोजक
विश्वमार्यम् प्रोजेक्ट समिति
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली–110001

महोदय,

अपकी सेवा में हमारी आर्य समाज का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है।

कृपया इस जानकारी का आवश्यकतानुसार उपयोग करें। यह विवरण हमारी सर्वश्रेष्ठ जानकारी में सत्य है। भविष्य में इसमें परिवर्तन होने पर हम आपको तुरन्त सूचित करेंगे।

सामान्य विवरण

आर्य समाज का नाम* : .....
स्थानीय क्षेत्र * :.....
पूरा डाक पता* :.....
.....
.....
राज्य* :.....
पिनकोड* : .....
थल चिह्न (लैंडमार्क) : .....
क्षेत्रीय एस.टी.डी.कोड* :.....
दूरभाष : .....
ई–मेल : .....
वेबसाइट : .....
सम्पर्क व्यक्ति : .....
आई.वी.आर.एस.में देने के लिए दूरभाष *:.....

आधिकारिक विवरण

कार्यालय समय प्रातः .....से सायं :.....
प्रधान :.....
मंत्री : .....

-: पृष्ठ 2 :-

कोषाध्यक्ष : .....
पुस्तकालयाध्यक्ष : .....
अधिष्ठाता आर्य वीरदल :.....
पुरोहित :.....

अन्य विवरण, सही पर ( ) का निशान लगाएँ

पत्रिका ( ) **हाँ** ( ) **नहीं** **संपादक** .....
पत्रिका शीर्षक .....
कम्प्यूटर ( ) हाँ ( ) नहीं **इंटरनेट** ( ) हाँ ( ) नहीं
दैनिक यज्ञ एवं सत्संग प्रातः ( ) हाँ ( ) नहीं **समय** .....
दैनिक यज्ञ एवं सत्संग सायं: ( ) हाँ ( ) नहीं **समय** .....
साप्ताहिक यज्ञ एवं सत्संग ( ) हाँ ( ) नहीं दिन **समय**.....
महिला यज्ञ एवं सत्संग ( ) हाँ ( ) नहीं दिन **समय** .....
आर्य वीरदल शाखा ( ) हाँ ( ) नहीं **समय** .....

सेवाएँ सुविधाएँ

वैदिक पुस्तकालय : ( ) हाँ ( ) नहीं **पुस्तकों की संख्या** .....
चिकित्सा सेवाएँ : ( ) अस्पताल ( ) पैथोलोजी लैब
( ) फिजियोथैरेपी ( ) एम्बूलेंस
आयुर्वेदिक औषधालय : ( ) एलोपैथिक औषधालय
( ) होम्योपैथिक औषधालय
शैक्षणिक सेवाएं : ( ) गुरुकुल ( ) स्कूल
( ) वोकेशनल सेंटर ( ) ट्यूशन सेंटर ( ) साक्षरता केंद्र
आश्रम : ( ) वानप्रस्थ आश्रम ( ) संन्यास आश्रम
: ( ) अनाथ आश्रम ( ) वृद्ध आश्रम
( ) महिला आश्रम ( ) विक्लांग आश्रम
संस्कार सुविधाएँ : ( ) पुरोहित ( ) विवाह संस्कार ( ) अन्य संस्कार
अन्य सुविधाएँ : ( ) हॉल किराये पर ( ) कमरे किराये पर

दिनांक :	**हस्ताक्षर ***	**हस्ताक्षर***	**हस्ताक्षर**
.....	प्रधान	मन्त्री	कोषाध्यक्ष

नोट : जिस देय जानकारी के अन्तर्गत उक्त स्टार चिन्ह लगा है उसके सामने दी जाने वाली जानकारी को अवश्य ही भरा जाना चाहिये, अन्यथा प्रस्तुत जानकारी अधूरी मानी जायेगी।

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 01 जुलाई, 2013 से रविवार 07 जुलाई, 2013

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2012–13–14

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 5/ 6 जुलाई, 2013

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं0 यू0(सी0) 139/2012–14

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 3 जुलाई, 2013

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित

5वां आर्य परिवार विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन

रविवार 14 जुलाई, 2013 प्रात: 10 बजे से

आर्यसमाज ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली-110048

पंजीकरण कराने वाले सभी प्रतिभागी माता–पिता के साथ पहुंचें

विशेष नोट : सम्मेलन स्थल पर भी तत्काल पंजीकरण की व्यवस्था होगी। तत्काल पंजीकरण वालों के नाम बाद में विवरणी पुस्तिका में सम्मिलित हो सकेंगे।

– अर्जुनदेव चड्ढा, राष्ट्रीय संयोजक

प्रतिष्ठा में,

श्री.....

कै. देवरत्न आर्य जी के प्रथम पुण्यतिथि पर

यजुर्वेदीय यज्ञ : 18 से 20 जुलाई, 2013

यज्ञब्रह्मा : डॉ. सोमदेव शास्त्री **आशीर्वाद :** स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती

प्रवचन : डॉ. सूर्यादेवी चतुर्वेदा **भजनोपदेश :** साध्वी डॉ. उत्तमा यति

कार्यक्रम स्थल : 'वैदिक विहार' 28, बसन्त विहार कालोनी, धोलाभाटा (अजमेर), फोन नं. 0145-26634565

माता कमला आर्या धर्मार्थ ट्रस्ट के सहयोग से

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा प्रकाशित

वैदिक विनय

मात्र 125/- रुपये

वैदिक शगुन लिफाफे

महर्षि दयानन्द के चित्र एवं वेदमन्त्रों सहित सुन्दर डिजाइनों में

सिक्के वाले	बिना सिक्के
मात्र 400/-रु. सैकड़ा	मात्र 300/-रु. सैकड़ा

नेमस्लिप्स

विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को महर्षि दयानन्द जी के बारे में जानकारी देने तथा उन्हें आर्यसमाज की ओर आकर्षित करने की छोटी सी शुरुआत : कापी–किताबों पर चिपकाने के लिए नेमस्लिप्स। 21 स्लिप्स का एक सैट मात्र 10/– रुपये प्रति शीट।

प्राप्ति हेतु संपर्क करें।

–: प्राप्त स्थान : –

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

15 हनुमान रोड,नई दिल्ली

सम्पादक, मुद्रक एवं प्रकाशक ब्र0 राजसिंह आर्य ने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए सार्वदेशिक प्रेस, 1488 पटौदी हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली–2 से छपवाकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1; फोन : 23360150; टैलीफैक्स 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com से प्रकाशित किया।

सम्पादक : **ब्र0 राजसिंह आर्य** सह सम्पादक : **विनय आर्य** व्यवस्थापक : **सुशील महाजन** सह व्यवस्थापक : **आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर**